मैं जोखिम आकलन किस प्रकार करूं? (How do I carry out a risk assessment?)

किसी भी कार्यकारी परिवेश में मौजूद या वाणिज्यिक क्रियाकलापों और निर्माण क्रियाकलापों के कारण पैदा हो सकने वाले महत्त्वपूर्ण खतरों की शिनाख्त को जोखिम आकलन में शामिल होना चाहिए.

विद्यमान सावधानियों और उनकी प्रभावशीलता को ध्यान में रखते हुए निहित जोखिम की सीमा का भी इसमें मूल्यांकन होना चाहिए.

खतरा उसे कहा जाता है जिसमें नुकसान पहुँचाने की ताकत हो (इसमें वस्तुएं, पदार्थ, संयत्र या मशीने, कार्य का तरीख कार्य का परिवेश और निर्माण संस्थान के अन्य पहलू शामिल हो सकते हैं);

महसूस किए जा चुके खतरे से संभावित नुकसान की गुंजाइश को जोखिम कहा जाता है. जोखिम की सीमा निम्नलिखित पर निर्भर है:

- नुकसान होने की संभावना;
- नुकसान की संभावित प्रचंडता अर्थात इसके परिणामस्वरूप चोट चपेट या सेहत पर उल्टा प्रभाव; और
- खतरे से जो जनसमूह प्रभावित हो सकता हो, अर्थात जितने लोग इस जोखिम के दायरे में आ सकते हों.

'Five steps to risk assessment'नामक प्रकाशन में इस प्रक्रिया को पाँच स्तरों में बाँटा गया है :

उपाय 1 - खतरे पर नजर रखें

यदि आप खुद ही आकलन कर रहे हैं तो अपने कार्यस्थल का मुआयना कीजिए और नए सिरे से देखिए कि कौन सी चीज ऐसी है जिससे नुकसान होने की संभावना है. छुटपुट चीजों को छोड़ दीजिए और उन बड़े खतरों पर ध्यान दीजिए जो गंभीर नुकसान पहुँचा सकते हों या बहुत से लोगों को प्रभावित कर सकते हों.
अपने कर्मचारियों से या उनके प्रतिनिधियों से पूछिए कि उनका क्या सोचना है. हो सकता है उन्होंने ऐसी बातों पर ध्यान दिया हो जा तत्काल ही स्पष्ट नहीं हों. विनिर्माणकर्ता के अनुदेशों या डाटाशीट से भी खतरों को समझने और जोखिम को उसके सही परिप्रेक्ष्य में रखने में मदद मिलेगी. इसी प्रकार दुर्घटनाओं और खराब सेहत के रिकार्ड पर भी ध्यान दीजिए.

उपाय 2 - निर्णय करें किसे और किस प्रकार का नुकसान हो सकता है.

भूलिए नहीं :
छोटे कामगार, प्रशिक्षु, नव और संभावित माताएं, जो कि खास तौर पर जोखिम के शिकार हो सकते हैं, क्लीनर, आगंतुक, ठेकेदार, रखरखाव कामगार, आदि जोकि हर वक्त कार्यस्थल पर नहीं होते; या जनता के लोग, या ऐसे लोग जो आपके कार्यस्थल पर आते जाते रहते हैं, यदि ऐसे मौके हों कि वे आपके क्रियाकलापों से चपेट में आ सकते हों.

उपाय 3 - जोखिम का मूल्यांकन कीजिए और यह निर्णय कीजिए कि विद्यमान सावधानियाँ पर्याप्त हैं या कुछ और करना चाहिए.

विचार कीजिए कि प्रत्येक खतरा कितना नुकसान कर सकता है. इसी से निर्धारित होगा कि जोखिम कम करने के लिए आपको कुछ और करना है या नहीं:

- क्या मैं खतरे से पूरी तरह छुटकारा पा सकता हूँ?
- यदि नहीं, तो मैं जोखिम को किस प्रकार काबू में करूं कि नुकसान की संभावना न रहे? जोखिम को काबू में करने के लिए निम्नलिखित सिद्धान्तों को लागू कीजिए, संभव हो तो इसी क्रम में:
    1. कम जोखिम भरा विकल्प अपनाएं
    2. खतरे के पास जाने ही न दीजिए (उदाहरण के लिए गार्डिंग करके)

3. खतरे से दूर रहते हुए काम करने की व्यवस्था कीजिए
4. बचाव के निजी उपकरण दीजिए
5. कल्याण सुविधाएं दीजिए (उदाहरण क लिए दूषित भाग को धोने के लिए वाशिंग सुविधाएं और फर्स्ट ऐड)

उपाय 4 - अपने निष्कर्ष लिख लीजिए

यदि आपके यहाँ पाँच से कम कर्मचारी हैं तो आपको कुछ भी लिख कर रखने की जरूरत नहीं है, यद्यपि आपने जो कुछ किया है उसका लिखित रिकार्ड रखना उपयोगी है. लेकिन यदि आपने पाँच या अधिक लोगों को नौकरी दे रखी है तो आप अपने आकलन की खास खास बातों को अवश्य लिख लीजिए. इसका आशय यह है कि बड़े खतरों को और अपने निष्कर्षों को लिख लीजिए. आप अपने कर्मचारियों को अपने अवलोकन अवश्य बताएं. जोखिम आकलन उचित और पर्याप्त होना चाहिए. आप यह दिखाने में सक्षम होने चाहिए कि :

- उचित जाँच की गई.
- आपने यह देखा था कि कौन प्रभावित हो सकता है.
- आपने सभी स्पष्ट बड़े खतरों पर ध्यान दिया - इस पर नजर रखते हुए कि -
  लोगों की संख्या
  जो इससे प्रभावित हो सकते हैं
- सवाधानियां समुचित हैं और बाकी बचे जोखिम काफी कम हैं.
- भविष्य में सन्दर्भ और प्रयोग के लिए लिखित रिकार्ड को रख लीजिए.

उपाय 5 - अपने आकलन की समीक्षा कीजिए और जरूरी हो तो संशोधन कीजिए

आज नहीं तो कल आप नई मशीने, पदार्थ और क्रियाविधि अपनाएंगे जो नए खतरों को जन्म दे सकते हैं. यदि कोई महत्त्वपूर्ण बदलाव होता है तो नए खतरे को ध्यान में रखने के लिए अपने आकलन को दुरुस्त करें. छोटे मोटे बदलावों, या यूं भी कहें कि प्रत्येक नए काम के लिए अपने आकलन में संधोधन मत कीजिए, लेकिन यदि नए काम की शुरुआत से किसी नए प्रकार के बड़े खतरे का आगमन हो सकता है तो जरूरी है इन पर नए सिरे से से विचार किया जाए और जो भी जरूरी हो वह कीजिए ताकि जोखिम कम से कम रहे. जो भी हो, समय समय पर अपने आकलन की समीक्षा करते रहना अच्छी बात है, इससे आप तय कर सकेंगे कि सभी सावधानियाँ प्रभावी ढंग से काम कर रही हैं.

संगत प्रकाशनों में शामिल हैं

L21, Management of health and safety at work, L21, (ISBN 0717624889 - एच एस ई बुक्स से प्राप्त किया जा सकता है).
HSG183, Five steps to risk assessment: case studies, (ISBN 0717615804 - एच एस ई बुक्स से प्राप्त किया जा सकता है).

- निशुल्क पत्रक - **A guide to risk assessments requirements - free leaflet**
- निशुल्क पत्रक - **Five steps to risk assessment - free leaflet**